

एक लाख मे नया दिल

IIT के रन्धीर और चिंग गुप्त अवसंरचना व अभिकल्पना प्रबंधन विद्यालय के प्रोफेसर सुजय गुहा और उनकी टीम ने एक लाख की लागत से मानवनिर्मित हृदय तैयार किया है जो कि हृदय संबंधी समस्याओं से ग्रसित लोगों को हृदय रोपाई द्वारा नया जीवन प्रदान कर सकता है। इसपर सुजय गुहा से हुई बातचीत के कुछ अंश आवाज टीम: सर्वप्रथम आपको आवाज टीम की तरफ से इस सफलता पर धेर सारी शुभकामनाएँ। चार सालों तक हुए दिसर्च के दौरान कैसा अनुभव रहा?

प्रोफ: यह एक जटिल कार्य था। शुरूआत के एक-डेफ साल तक हमने गहन अध्ययन किया। प्रयोग के दौरान काफी तरह की समस्याएँ आई। उन समस्याओं पर काम करते हुए काफी कुछ सीखने का अवसर भी मिला।

आवाज टीम: सबसे बड़ी समस्या क्या रही?

प्रोफ: CPCSA से अनुमति लेना। CPCSA सरकार द्वारा बनाई गई समिति है जो बड़े जीव-जंतुओं के अध्ययन तथा दिसर्च संबंधी निर्णय लेती है।



आवाज टीम: इसकी संरचना के बारे में कुछ बताइए?

प्रोफ: अभी मानवनिर्मित हृदय सिर्फ छोटे जीव-जंतुओं के लिए बनाए गए हैं। त्रिलक्षण मे 13 चैंबर होते हैं उसे ही ध्यान मे रखकर अभी इसका निर्माण किया गया है। अचूकीय पदार्थों द्वारा इसका निर्माण किया गया है।

आवाज टीम: कृप्या इसके काम करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालें?

प्रोफ: चैंबर मे चुंबकीय valve का उपयोग किया जा रहा है। यांत्रिक पंप के द्वारा चैंबर पर दबाव लगाया जाता है जिससे चैंबर फैलता और सिकुड़ता है। इसी फैलने और सिकुड़ने के कारण रक्त का संचारण होता है।

आवाज टीम: धातु के उपयोग के कारण किसी तरह की

परेशानी भी हो सकती हैं?

प्रोफ: इसका वजन प्राकृतिक हृदय से लगभग दुगुला है। तथा इसकी पंप करने की रफ्तार निश्चित होगी। परंतु संवेदक का उपयोग कर हम इसकी रफ्तार को परिस्थिति के अनुसार परिवर्तित होने लायक बना सकते हैं अर्थात दौड़ने, अचानक डरने के समय इसकी रफ्तार एक आम इंसान की तरह तेज रहेगी। इसके वजन को कम करने के लिए नैनो-टेक्नोलॉजी का उपयोग करने पर विचार किया जा रहा है।

आवाज टीम: क्या एक बार उपयोग हो चुके मानवनिर्मित हृदय को दुबारा उपयोग में लाया जा सकेगा?

प्रोफ: धातु का उपयोग होने के कारण समय के साथसाथ इस पर प्रोटीन की परत जमती जायेगी। इसके बाद इसे दूसरे शरीर में उपयोग करने पर काफी खतरा हो सकता है।

आवाज टीम: इस तकनीक की मदद से मानव हृदय बनाने के कितने करीब हैं?

प्रोफ: पहले इसे बकरी पर जाँच किया जाएगा। इसके सफल होने के बाद इसका उपयोग मानव हृदय बनाने के लिए किया जाएगा (मीडिया द्वारा बताया गया था के यह बकरी पर प्रयोग कर चुके हैं जबकि यह सच नहीं है)।

आवाज टीम: इस दिल के लिए ऊर्जा का श्रोत क्या होगा? इसका दाम अमरिकी दिल के मुकाबले बहुत कम है। कोई विशेष तकनीक?

प्रोफ: इसे हर बार चुंबकीय प्रतीक्षण से चार्ज करना होगा। और इसमे कोई विशेष तकनीक का प्रयोग नहीं हुआ कि अमरिका में निर्मित दिल को मीलों पीछे छोड़ दे। क्योंकि शोध सरकार के सहायता से हुआ है यह दिल काफी सख्ता होगा। अमरिकी दिल को एक कंपनी ने बनाया था।

पृष्ठ 2
डेप फैस्ट



पृष्ठ 3
BOG बैठक

पृष्ठ 4
सर्व धर्म विश्वास



पृष्ठ 6
यादें एवं पल



आपकी सुविधा को लिएঃ
<http://awaaziitkgp.blogspot.com/>

स्वीपिंग कॉन्ट्रैक्ट

पिछली बार के स्वीपिंग कॉन्ट्रैक्ट की खामियों को देखते हुए सभी छात्रावासों में स्वीपिंग, गार्डनिंग एवं साफ सफाई के लिए हाँल मैनेजमेन्ट सेन्टर ने नए चिरे से निविदाएँ आमंत्रित की हैं। निविदा जमा करने की आखिरी तारीख 14 अप्रैल है एवं 17 अप्रैल को HMC कार्यालय में निविदाएँ खोली जाएंगी। यह कॉन्ट्रैक्ट प्रयोग के तौर पर एक सेमेस्टर के लिए किया जा रहा है।

इस बार कॉन्ट्रैक्ट में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि थेकेदार के पास हाई प्रेशर वाटर जेट, फ्लॉर ल्यूबर, स्टेन पॉलिश मशीन, वैक्यूम वल्लीनर आदि मशीनें उपलब्ध हों। साथ ही साथ कॉन्ट्रैक्टर को अनुबन्ध की अवधि में ये मशीनें संबंधित हाँल के वार्डन के पास जमा करानी होंगी ताकि इसका नियमित रूप से उपयोग किया जा सके।

विद्युत हो कि पिछले साल स्थिरबंद में

पहली बार स्वीपिंग कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था लेकिन इसके परिणाम ज्यादा उन्साहवर्धक नहीं रहे। थेकेदार मशीनों को साप्ताहिक तौर पर ही प्रयोग करते हैं और वो भी सिर्फ फोयर को साफ करने के लिए। छात्रों की शिकायत ये भी है कि शुरूआत में तो कमरे की सफाई हर घण्टे होती थी लेकिन अब सफाईकर्मी दिखाई ही नहीं देते हैं। सीढ़ियों के शोध सरकार के सहायता से हुआ है यह दिल काफी सख्ता होगा। अमरिकी दिल को एक कंपनी ने बनाया था।

स्वीपिंग का थेका निजी हाथों में देना निर्दिष्ट एक साराहनीय कदम था। लेकिन पर्याप्त देखरेख के अभाव में आशातीत सफलता नहीं मिल सकी। उमीद है नए कॉन्ट्रैक्ट के बाद हमारे छात्रावास ज्यादा साफ सुधरे एवं सुन्दर दिखेंगे।

आपकी आवाज़

वो जर्ख भर गये तूने खन्जर से जो किये,
पर लोगों की जुबानों पे अभी और जहर बाकी है।

मुझे तो दिखता था वो आँखों का समुन्दर तेरा,
क्या तुझे दिखता था मेरे दिल में कितना सहर बाकी है?

तू बहार है कल गुल खिला के चाली जायेगी,
क्या मुझ के देखेंगी कितना सुनसान सहर बाकी है?

कहने को तो दो साहिल कभी मिल ही नहीं सकते,
देखना ये है उन्हे डुबोने को क्या कोई लहर बाकी है?

तुने सुन कर भी अनसुनी कर दी तो अनकही बात,
ऐ-हुरन, तुने मौत तो दे दी, अब ढाने को क्या और कहर बाकी है?

-गौरव खरे, पटेल हाँल

इन्डैक 09



IIT खड़गपुर के स्पानसर्क रिसर्च एंड इन्डस्ट्रियल कन्सल्टेंट्स एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ग्रुप ने 21 मार्च 2009 को कोलकाता के होटल इन्दुस्ट्रीज इंटरनेशनल में इन्डैक 09 का आयोजन किया। भारत के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप इसमें आई.आई.टी. खड़गपुर की विभिन्न तकनीकी सफलताओं और रिसर्च सुविधाओं का प्रदर्शन किया गया और बताया गया कि यह उद्योगों के लिए किस प्रकार लाभप्रद हो सकता है। ट्रांसफर की जाने वाली विभिन्न तकनीकों को निम्न 5 भागों में बाँटा गया :

1. एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग एंड फार्म मशीनरी
2. बायोटेक्नोलॉजी एंड लाइफ साइंसेज
3. CSE इलेक्ट्रॉनिक्स एंड IA
4. नैनोटेक्नोलॉजी एंड मेटेरियल्स
5. एनजी एंड इन्वायरमेंट

IIT खड़गपुर के विभिन्न विभागों की लगभग 29 तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। हार्ट साउन्ड एनालाइज़र इस इवेन्ट का मुख्य आकर्षण रहा जिसमें कई कंपनियों ने रूचि दिखाई। इस इवेन्ट में औद्योगिक क्षेत्र के लगभग 25 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कंपनियों द्वारा दिया गया फीडबैक काफी सकारात्मक रहा और सफल ट्रांसफर की काफी संभावना है।

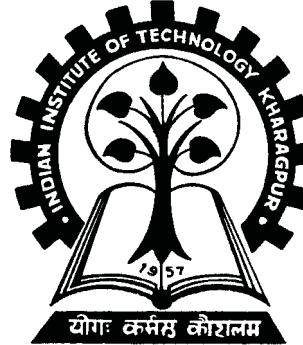
समुद्र मंथन 2009

1952 में शुरू हुये Ocean Engineering & Naval Architecture विभाग का पहला फेस्ट समुद्र मंथन 4-5 अप्रैल को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में परिमल भट्टाचार्य थे, जो वर्दमान में Indian Oil Tanking Design & Engineering के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने भारत में व्यावसायिक Naval Architect की महत्वा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रमों में Finding Nemo मुख्य रहा जिसमें डिमोटिक वाहन बनाना था जो कि कम से कम समय में किसी वस्तु के स्थान को पहचानकर अपनी जगह वापस ले आए। एक अन्य कार्यक्रम में Drill ship को डिजाइन करना था जो कि पानी से भरे टैंक में तीन निश्चित दूरी वाले स्थानों को पहचानकर बारीबारी से drill करें। Tugathon में प्रतिभागियों की managerial प्रतिभा को परखने की कोशिश की गई। इसके अलावा दृष्टि में shipping और shipbuilding के तकनीकी एवं व्यावसायिक पहलू पर चर्चा की गई। अन्य कार्यक्रमों में Zephyr भी था। समुद्र मंथन का मुख्य sponsor Nobledenton था।



केमइनसाइट 2009

कोमिकल इंजीनियरिंग का ये वार्षिक फेस्ट 13-15 मार्च को हुआ जिसका उद्देश्य छात्रों, फैकल्टी और औद्योगिक क्षेत्र के मध्य परस्पर संवाद स्थापित करना था। इसकी शुरूआत न्यूमिनरी लाइटिंग से हुई जिसके मुख्य अतिथि श्री मोनोजीत चौधरी, उप निदेशक, BOC गैस, एशिया पैसेफिक थे। इस फेस्ट का मुख्य आकर्षण ITC द्वारा कार्बन ट्रेडिंग वर्कशॉप और Cd-Adapco द्वारा CFD वर्क-शॉप था। CFD वर्कशॉप में कई लोगों ने भाग लिया। फेस्ट में विभिन्न कॉलेजों जैसे VIT, अन्ना यूनिवर्सिटी, IIT-BHU आदि से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। फेस्ट में विभिन्न इवेन्ट्स जैसे पब्लिसिज़ार (एड डिजाइन इवेन्ट), ABC(बी प्लॉन प्रतियोगिता), यूरेका (टेक्निकल पेपर प्रजेक्टेशन), केमइनोवेशन, प्रॉसेस डिजाइन, पैनल डिस्कशन, जिज्ञासा, स्कूष्टि, केमसॉफ्ट आदि का आयोजन हुआ।



कॉम्पोज़िट 2009

मेटलर्जिकल एंड मेटीरियल इंजीनियरिंग विभाग का ये फेस्ट 14-15 मार्च को संपन्न हुआ। इसका उद्घाटन टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक के मुख्य सलाहकार डॉ. अमित चैटजी ने किया। उन्होंने स्टील की महत्वा पर जोर दिया और इसे तेजी से बढ़ा हुआ क्षेत्र बताया। फेस्ट के दौरान न्यूमिनरी लाइटिंग नामक कॉलोक्विचयम हुआ जिसे आई.आई.टी. खड़गपुर के प्रो. पी.के. सुन ने संचालित किया। वहाँ निम्न मुख्य हस्तियाँ मौजूद थीं :

1. डॉ. एस. पी. मल्होत्रा, निदेशक, नेशनल मेटलर्जिकल लैबोरेट्री, जमशेदपुर
2. डॉ. एन. के. गुप्ता, उप निदेशक, LPSC, ISRO
3. डॉ. विलास तथावदकर, टाटा स्टील R&D विभाग
4. प्रो. गौतम तिल्हा (आई.आई.टी. खड़गपुर)
5. प्रो. एस. त्रिपाठी (आई.आई.टी. खड़गपुर)



में मेटेलिका बोनान्जा नामक औद्योगिक दौरे के तहत

प्रतियोगियों को टाटा मेटेलिक्स, खड़गपुर ले जाया गया। इसके अलावा हाई ब्रो हैपनिंस नामक इंजीनियरिंग क्विज, क्विचर्जर्स आँफ ओज नामक स्कूल क्विज, टेक्नोवा नामक टेक्निकल पेपर प्रतियोगिता आदि कई आयोजन हुए जिसमें कुल 26,500 रूपए की पुरस्कार राशि वितरित की गई। सभी प्रतियोगी दलों के भोजन व ठहरने की मुफ्त व्यवस्था भी कॉम्पोज़िट के दौरान की गई।

ऑप्टिमा 2009



2006 में शुरू हुए ऑप्टिमा समय चक के साथ चलते हुए 2009 में 3-5 अप्रैल को सफलतापूर्वक आयोजित हुआ तथा नए आयाम के स्थापित किया। चार बसंत देख चुके ऑप्टिमा के इतिहास का ये सबसे सफल वर्ष रहा। ऑप्टिमा 2009 में बाहर के प्रतिभागियों की संख्या 190 रही तथा कुल बजट 3.9 लाख तक जा पहुँचा। बाहर से आए प्रतिभागियों का नामांकन शुल्क 100 रूपए था पर उन्हें एक तरफ का किराया तथा 300 रूपए तक की किट दी गई। कार्य क्रमों में मुख्य रूप से finans गेम काफी लोकप्रिय हुआ। इसके अलावा अन्य कार्यक्रम (inova, sigma, affaires, ergonomica, kimplex) भी जनता के द्वारा काफी पसंद किए गए। ऑप्टिमा के दौरान कुछ छात्रों को कंपनीयों के द्वारा तथा कुछ बाहरी छात्रों को याहाँ के प्रोफेसरों के द्वारा internship का मौका मिला। इसके अलावा वैश्विक मंदी जैसे ज्वलंत विषय पर विचार रखे गए। सूचना व्यवस्था में हालिया पर्चिवर्चन (sun microsystem) तथा green supply chain (टाटा मोटर्स) पर workshop भी किए गए। ऑप्टिमा के मुख्य sponsors GE(हेल्थकेयर), टाटा मोटर्स, टाटा टेक्नोलॉजी, ACC सीमेंट तथा इंडिया बुक हाउस रहे। तमिलनाडु, गुजरात, नोएडा तथा देश के अन्य भागों से छात्र-छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बाहर से आए प्रतिभागी भी फेस्ट के आयोजन से काफी संतुष्ट दिखे।

159वीं बोर्ड ऑफ गवर्नर बैठक के निर्णय

24 फरवरी 2009 को आई.आई.टी. के बोर्ड ऑफ गवर्नर की बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

1. डिपार्टमेंट परिवर्तन करने हेतु CGPA के न्यूनतम मान में घट्ट कर 8.5 करने के साथ साथ विभाग बदलने वालों की संख्या सिमिट कर 10% (विभाग के कुल छात्रों का) कर दी गई है।

2. बोर्ड के द्वारा पारित किए गए सहमति ज्ञापन :

क. संस्थान को टाटा आयरन एन स्टील को. लिमिटेड के साथ Industry-Academia Interaction में उन्नति हेतु सहमति

ख. संस्थान का The University of Western Ontario, London, Ontario, Canada के साथ दीर्घ कालीन अनुसंधान सहयोग स्थापित करने हेतु सहमति

ग. संस्थान एवं National University Of Singapore के मध्य पारस्परिक हित के अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को संयुक्त रूप से बढ़ावा देने हेतु सहमति

3. JAM के द्वारा MSc PhD कार्यक्रम में अच्छे छात्रों को आर्कषित करने हेतु प्रत्येक छात्र को प्रथम दो वर्ष हेतु 5000 रु. की मासिक छात्रवृत्ति और उसके उपरांत अनुसंधान सहभागिता (Research assistantship) देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही साथ JEE से Integrated MSc में नामांकित होने वाले छात्रों को भी अंतिम दो वर्षों में 5000 रु. की मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। (जबकि दोहरी डिग्री और गेट छात्रों की छात्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं आया है)

4. योग्य प्रधायापकों को आर्कषित करने हेतु पारित किए गए प्रस्ताव :

क. लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से चयनित छात्रों (CGPA >= 8.0 B.Tech, MSc., MS और M.Tech) को मासिक 10000 रु. का Assistantship प्रदान किया जाएगा।

ख. संयुक्त डिग्री या संयुक्त पर्यावेक्षण के साथ एकल डिग्री प्राप्त करने हेतु छात्र दो प्रवेशक (एक संस्थान से और दूसरे संस्थान के बाहर भारत या विदेश से) के साथ काम करेंगे। ऐसे छात्र संस्थान एवं सहभागी संस्थान के शिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे, व उन्हें अतिरिक्त विषय भी लेना पड़ेगा। साथ ही न्यूनतम 50% समय सहभागी संस्थान में भी व्यतित करना पड़ेगा।

ग. ऐसे छात्रों के संयुक्त अनुसंधान काल में यात्रा व्यय संस्थान द्वारा पेय होगा।

5. रजत जयंति समारोह के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा निर्धारित कार्य :

क. 20000 छात्रों एवं 2000 प्राध्यापकों हेतु 36 करोड़ के अनुमानित खर्च से State of the Art पुस्तकालय का निर्माण



ख. 24 करोड़ की अनुमानित लागत से Student Authority Centre का निर्माण

ग. 41 करोड़ की अनुमानित लागत से 3000 क्षमता के Convention केन्द्र का निर्माण

6. ऊर्जा विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग तथा अभियांत्रिकी उद्यमिता विद्यालय की स्थापना को स्वीकृति दी गई।

7. बोर्ड ऑफ गवर्नरस ने निम्न प्रस्तावों को स्वीकृति दी :

क. विदेशी विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से PhD कार्यक्रम

ख. MS-PhD कार्यक्रम का संयुक्त रूप

ग. M.Tech-PhD कार्यक्रम का संयुक्त रूप

घ. विदेशी छात्रों के PhD/Post Doctoral कार्यक्रम में नामांकन

इ. M.Sc.-PhD कार्यक्रम का संयुक्त रूप

ज. सत्र 2009-2010 से Goralal Synga छात्रवृत्ति की रकम 2100 रु से बढ़ाकर 2300 रु कर दी जाएगी।

च. प्रतिवर्ष विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के B.Tech के अवल छात्रों को दी जाने वाले 'राजेन्द्र कुमार खन्ना मेमोरियल' पुस्तकार को संशोधित कर 2007-2008 सत्र से 25000/- से 10000/- प्रतिवर्ष कर दिया गया।

ज. 5 वर्षीय Integrated M.Sc. के 'इंडस्ट्रियल कॉमिस्ट्री' कॉर्स का नाम बदलकर 'कॉमिस्ट्री' कर दिया गया।

8. छात्रावास भोजनालय के आउटसर्विंग तथा छात्रावास में कोई भी नई भर्ती के न होने में छात्रावास कर्मचारी संघ ने असहमति व्यक्त की है। 36 छात्रावास कर्मचारीयों को Bearer/Masalchi/Cleaner के पद पर नियुक्त किया जायेगा तथा 88 कर्मचारी का नए सिरे से मूल्यांकन किया जायेगा।

9. संस्थान के पूर्व छात्र श्रीमान प्रकाश अरुणाचलम (B.Tech, EE 1990) द्वारा प्रस्तावित 40 लाख के कम्पनी शेयर की भेंट स्वीकार कर ली गई है।

10. 25 करोड़ की अनुमानित लागत से संस्थान हेतु Kansabati नदी से अतिरिक्त जलस्रोत के सिविल निर्माण और रख-रखाव का निर्णय लिया गया।

11. प्रधायापकों के औद्योगिक Exposure तथा अध्ययन को व्यवहारिक बनाने हेतु उन्हें 3 महीने की छुट्टी में उद्योगों में कार्य करने हेतु प्रेरित किया जायेगा और उद्योगों से उनके लिये रहने हेतु सुविधा तथा यात्रा और अन्य खर्च हेतु कुछ रूपयों का आग्रह किया जायेगा।

शिक्षा गुणवत्ता और शिक्षक विकास जैसे मामलों पर अगली बैठक में गौर किया जाएगा। कैंवेल शैक्षिक विषयों व निर्णयों के लिए प्रत्येक वर्ष एक बोर्ड ऑफ गवर्नर नर की बैठक रखे जाने की इच्छा व्यक्त की गई है।

इनसे क्या कहें?

एक पहलू ऐसा भी

लाहौर में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम पर हमले के दौरान उनके बस ड्राईवर मेहर मुहम्मद खलील की सूझबूझ और हिम्मत ने कई लोगों की जान बचाई।

किंतु अगले ही दिन हमारी महान मीडिया ने हेडलाईन छापी “पाक बस हीरो का भाई जिहादी था”। उन्होंने खलील और उसके भाई के इस्लामी संगठनों के साथ संबंधों के बारे में कई दिनों तक छापा।

मेरा प्रश्न है के क्या खलील के धार्मिक या राजनीतिक गतिविधियों से उसकी बहादुरी कम हो जाती है? खलील का मानना है कि इस हमले के पीछे भारत का हाथ है। क्या ये मानने से वह “हीरो” से “जीरो” बन जाता है?

इन सवालों का जवाब तो हमारी महान मीडिया ही दे सकती है।

DC टॉप 5

1. NUMBERS(TV)
2. The Colbert Report(TV)
3. The Complete Bach(music)
4. Koroshiya Ichi(manga comics)
5. Elephant(film)

सब वाकिफ है। यह भी सच है कि जब अंग्रेजों ने इस खेल का भारत से परिचय कराया, तो विश्व का सबसे लोकप्रिय टुर्नामेंट Beighton Cup को पहली बार 1895 में आयोजित किया बंगल हाथी संघ ने। लैकिन पिछले 27 साल से भारत ने विश्व कप में एक भी पदक नहीं जीता। और 1928 से शुरू हुये भारत के ओलंपिक के सफर को 2008 में ग्रेट-ब्रिटेन के हाथों निराशा देखने को मिली जब पहली बार वो ओलंपिक को लिये क्वालिफाई भी नहीं कर पाया। अब तो हाथी के चालिय खेल होने पर भी प्रश्न चिन्ह

फलोचिडा में पिछले महीने बच्चों की प्रीस्कूल कक्षा में एक अजीबोगरीब घटना ने कई शिक्षकों तथा अभिभावकों को चिंतित कर दिया।

एक चार साल के लड़के ने अपने बर्टे से एक प्लास्टिक बैग निकाला जो marijuana (गांजा) से भरा हुआ था। पुलिस के पूछने पर बच्चे ने कहा कि ये उसके भाई का “बीड़” है जो उसने अपने भाई के कमरे से लिया था। अगर आपको लगता था कि चार साल के बच्चे का जीवन सरल होता है तो एक बार फिर सोचिए।

भारत ने जीता अपना 18वा अजलानशाह कप



लगाने लगा है। Premier Hockey league ने हाथी के जीता को वापस लाने का सराहनीय प्रयास किया था। और 13 साल के बाद 18वीं बार अजलान शाह कप को

वापस लाकर हाथी की टीम संभलती नजर आ रही है। प्रशासन और मिडिया अगर हाथी को वो महत्व दे जिसका वो हकदार है तो हम आगामी वर्षों में एक सफल हाथी टीम देख पायेंगे।

देखते ही देखते हम अपने तीसरे वर्ष के आखिरी अंक तक आ गए। इस लम्बे सफर में हमने काफी कुछ सीखा। आपके सुझावों और आलोचनाओं से हुए निरंतर सुधार की बदौलत ही आज हम KGP की जनता की आवाज़ बन पाएँ हैं। हमें उम्मीद है कि हम इस प्रक्रिया को ज़ारी रखते हुए आपकी आशाओं को पूरा करेंगे।

देश-दुनिया की बात करें तो शीघ्र ही होने वाले लोकसभा चुनाव सबसे गरम मुद्दा है। प्रमुख गठबंधन यूपीए और एनडीए अब बड़े समूह न होके अब भाजपा या कांग्रेस और कुछ दल ही रह गए हैं। वाम-मोर्चे के बाद अब चौथे मोर्चे की भी बात होने लगी है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार त्रिशंकु लोकसभा की जगह चतुर्थकु लोकसभा का नज़ारा देखने को मिलेगा। एमिट पोल्स ने जहाँ यूपीए को आगे बताया है वही एनडीए भी ज्यादा पीछे नहीं लगता। खैर दोनों ही गठबंधन 272 के जारी हुआ अंकर से काफी दूर दिखते हैं और यह देखना दिलचर्ष होगा कि राष्ट्र का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा।

जैसे-जैसे दिन नज़दीक आ रहे हैं IPL का खुमार लोगों के सिर चढ़ कर नाचने लगा है। भारत में इसका आयोजन न हो पाने से भारतीय दर्शक नाचाज़ जल्द ही पर

बात संपादक की

इस नाचाज़गी के कारण वो इससे खुद को दूर रख पाएँ, ऐसा प्रतीत नहीं होता। भले ही इसके “इंडियन” कहे जाने को लेकर लोगों में अलग-अलग राय है, लेकिन इसके कारण इसकी सफलता पर कोई असर होता नहीं दिखता। एंड सोमेस्टर के साथ-साथ ही शुरू होने के कारण, खड़गपुर के किंकटे प्रेमियों के लिए पढ़ाई के लिए समय निकालना मुश्किल हो सकता है।

विंगत दिनों कैम्पस में हुए दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से जूँगते हुए जनता अब सोमेस्टर के आखिरी हफ्ते तक पहुँच गई है। जहाँ बाकी जनता या तो पढ़ाई या छुटियों की प्लानिंग में जुट गई है, वही फाइनल और सुपर फाइनल वर्षीय छात्रों के लिए यह समय खड़गपुर में बीते अपने लम्हों और पर्लों को याद करते हुए भावुक होने का है। फेयरवेल्स और ट्रीटस में व्यस्त ये लोग आने वाले कुछ दिनों में जीवन में होने वाले विशाल परिवर्तन होने से अंजान नहीं हैं और खड़गपुर में बचे एक-एक पल को यादगार बनाने में लगे हैं। आवाज़ की टीम खड़गपुर में अपना आखिरी सोमेस्टर बिता रही जनता के लिए यह विशेष अंक लेकर आई है।

सभी पाठकों को एंड सोमेस्टर और फाइनल एवं सुपर फाइनल वर्षीय छात्रों को अपनी आने वाले जिन्दगी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए हम आपसे विदा लेते हैं। अगली मुलाकात अगले सोमेस्टर में। अलविदा...



आवाज़ टीम

मुख्य संपादक: कुमार अभिनव

संपादक: विकास कुमार, पंकज कुमार सोनी, सुरेंद्र केसरी, सुमित सिंघल, अभिनव प्रसाद

सह-संपादक: वरुण प्रकाश, अविमुक्तेश भारद्वाज

रिपोर्टर: आशुतोष कुमार मिश्रा, आदित्य मणि झा, मनोज कुमार, सोनल श्रीवास्तव, दामिनी गुप्ता, अंकिता मंगल, अमन कुमार जूनियर रिपोर्टर: मधुसूदन शर्मा, रवाती दास, निष्ठा शर्मा, निधि हरयानी, प्रतिक भारकर

वेब: आकाश दीप, सिद्धार्थ दोषी, सुकेश कुमार

सहायक: अविनाश पानीग्रही

“सर्व धर्म विश्वास”



“मैं ही हिंदू मैं ही मुस्लिम मैं सिख मैं ही इसाई जो मैं चाहूँ सो बन जाऊँ ऐसी सूरत पाई”

खड़गपुर में गोल बजार में ओवरब्रीज के नीचे सर्व धर्म और आरथा को समेटे हुए एक अनठी जगह है। यहाँ हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई हर धर्म के पवित्र स्थल एक ही चारदिवारी में हैं। इस स्थल की रथापना सन् 1968 में सरदार प्रताप सिंह द्वारा

की गई थी। ये रेलवे की तरफ से long jump के गोल्ड मेडलिस्ट तथा 1972 में मद्रास में हुए नेशनल मैस्ट्री में चैम्पियन रह चुकी रेलवे टीम के कोच थे। “मैं सेवक सब धर्मों का” ये आरथा उनके मन में बचपन से थी। आज लोग उन्हें नाम जपो सरादर जी के नाम से जानते हैं। इस स्थल की देखरेख में लगने वाला खर्च वे रेलवे द्वारा प्राप्त पेंशन से करते हैं। शायद बहुत ही कम जगहों पे ऐसी धार्मिक एकता देखने को मिले जो हमें खड़गपुर में मिलगई। ऐसे पवित्र स्थान के दर्शन एक बार तो हमें करनी ही चाहिए।

Puri Gate, IIT Main

Road, Kharagpur.

Email & gtalk id:

goyalinfotech@gmail.com.

Ph. (03222) 220158(O),

Mob : 9932481451.

9333359460

OUR KOLKATA SHOWROOM

M/s. SUBHLAABH.COM

87, P.C. Sarkar Sarani,

(Ekdalia Road)

Near Ballygunge

Station, Kolkata-19.

Mob : 9333359460

GOYAL 100 % Guaranteed after Sales Service. [10 Yrs. Experience in IT Field]

Authorised Dealer : HP & COMPAQ, DELL, ZENITH, ACER, LENOVO, ASUS.

Best Rates on External Hard Disk of Seagate, Maxtor, Western Digital, Transcend etc.

1.5 TB, 1 TB, 500 GB, 320 GB, 250 GB, 160 GB. With Power 3.5". and Without Power, 2.5".



Buy Back offer on Laptops, LCD, TFT Monitors Bring Your CRT Monitor and Take TFT Monitors. We also Buy Back Old PC's & Laptops.

Bumper offers on Buying New Laptops.

EXTEND WARRANTY OF YOUR LAPTOP.

Care Packs on HP, Compaq Lenovo, Acer, Dell Etc.

1+2 yrs Warranty Extension

1+ 1 yrs Warranty Extension

Save Your Huge Laptop

Repairing Expenses, as Well as Time By Extending Your Laptop Warranty.

Other Wise You will be Great Loser.





अपने प्रथम वर्ष में मैं मरठी भरे दोस्तों के समूह का एक हिस्सा था (अब भी हूँ)। एक कम्प्यूटर के सामने हमने काफी समय साथ-साथ movies देखने में बिताए। हम थे 7 और movie देखने के लिए बिस्तर एक। |||u के कुछ दिन पहले हम No Entry देख रहे थे और समय का अंदाजा नहीं रहा। मैस का समय खत्म होने के बाद हम मेस पहुँचे। दरवाजा खुला था अतः हम अंदर चले गए। वहाँ कन्नेनर में दाल और चावल पड़ा दिखा। हमने एक बड़ा कन्नेनर लिया, सब एक साथ मिलाया, 10 चम्मच लिए और MS हॉल ground पहुँचे। क्या खूब खाना था वो, वह मेरा सबसे यादगार डिनर है।

- अम्बुज कश्यप, RP hall



आज वो पल आ गया जब मुझसे यहाँ बिताये हुए पलों के बारे में पूछा जा रहा है। किसी एक पल को अलग करके बता देना इतना आसान नहीं है क्योंकि हर पल को यहाँ जिया है हमने। इतना उत्साह, इतना जोश, इतनी प्रतियोगिताएँ और ऐसी प्रवाह शायद ही किसी कॉलेज में हो। ज्ञान के साथ-साथ यहाँ विभिन्न प्रकार की शिक्षा भी मिली है हमें। साथ रहने की शिक्षा, एक दूसरे को सहाय देने की शिक्षा, दूसरों की सफलताओं पर खुश रहने की शिक्षा, एक दूसरे को प्रोत्साहन देने की शिक्षा और सबसे ज्यादा चिंता-रहित रहने की शिक्षा। एक बहुत अच्छी चीज सिखाई है खड़गपुर ने “लोड नहीं लेने का, पीस मारने का” यही मंत्र है यहाँ का। मैं अपने जीवन के महत्वपूर्ण पल यहाँ बीताए और बहुत कुछ सीखा, इतना कुछ शायद ही मैं कहीं और सीख पाता!

- प्रशांत राजोरा, RP



4 साल कैसे बीत गए मालूम ही नहीं पड़ा! ज़हन में ऐसी बहुत सी यादें हैं जिन्हें मैं जब भी सोचता करता हूँ तो हँसी सी आ जाती है। फर्स्ट ईयर में MS की ईलू में मुझे और कुछ दोस्तों को एक चटाई का इंचार्ज बनाया गया था। जज के आने के एक मिनट पहले ही हमारी चटाई ने हलकी आग पकड़ ली। हमने आनन-फानन में पास पड़ी बाल्टियों में भरा पानी फेंकना शुरू कर दिया। पर हाय री हमारी किरण! उनमें से एक बाल्टी में तेल भरा था! तेल उड़ेलते ही चटाई धू-धू कर जल पड़ी और हम भी पूरे तेज़ी से वहाँ से कट लिए... :P

- अभिनव प्रसाद, नेहरू हॉल



दोस्तों को मिस करँगा। 2.2 मिस करँगा। पीजे सुनने और समझने वाले लोगों को मिस करँगा। लैन मिस करँगा। बिना मतलब का शोर मचाना और धमा-चौकरी करना मिस करँगा। आवाज का सदर्दय होना मिस करँगा। यहाँ की बायोलोजिकल क्लॉक मिस करँगा। नाईट-आउट्स और उसके बाद 'डे-इन्स' मिस करँगा।

- सुमित सिंधल, नेहरू हॉल



प्रकृति की गोद में बीते 5 यादगार वर्ष (जंगल बोलने में अच्छा नहीं लगता है ना)। वैसे तो इन 5 सालों ने कई यादगार लगाए दिए लेकिन मैं घटनाओं से ज्यादा उनसे ज़ुँड़े लोगों की यादें साथ ले जात़ंग। 1st Year में ETDS का “हा ही हूँ है हो” ही या 2nd Year में नेहरू के लिए दिया गया टेम्पो शाऊट; 3rd Year में वही “हा ही हूँ हूँ है हो” जूनियर्स को सिखाना ही या GC विंगिं GSec होने पर भी GC को हाथ न लगा पाना; 3rd Year में ही ‘आवाज़’ की संस्थना ही या इस टीम के साथ बिताए गए 3 साल। बिलकुल डेलाई न पर Assignment समिश्नान हो या दोस्तों के साथ दिन भर का बकर; ये सबकुछ 5 साल बाद खुद का ही हिस्सा लगता है। आज विचम्य ही 1st Year में पहली बार सुनी वो लाइन याद आ रही है: “यू कैन टेक एन ||Tian आउट ऑफ Kgp बट यू कैननॉट टेक Kgp आउट ऑफ एन ||Tian”।

- कुमार अभिनव, नेहरू हॉल

खड़गपुर में मेरा सबसे यादगार पल वह है, जब मुझे मेरे जाँब के कनफर्मेशन के बारे में पता चला। मैं सबसे ज्यादा मिस करँगा टिक्का और छेदीस्प पर धंटों बक्ता गुजारना और अपने दोस्तों का साथ जिन्हें भगवान की कृपा से समय को मारने (और वो भी बिना किसी शिकन के) की आपार शक्ति मिली है। मैं यकीनन मिसा चिनमय के साथ B Plan बनाना और उसको execute नहीं करना मिस करँगा।

- अनराग श्रीवास्तव, नेहरू हॉल



इन चार सालों में हर पल ही यादगार है। पहले ही साल मैं इलेक्ट्रॉनिक्स की लैब का मास बंक करना या लगातार 40 धंटों की नीट, सब हमेशा याद रहेंगे। मेरी पहली GPL का तो कहना ही नहीं। दूसरे से मेरे लैब में कैमिस्ट्री की क्लास न जाने के कारण मुझे अपने मिडसेम के नंबर नहीं पता थे। एक दिन रात को 12 बजे के आसपास बिजली चली गई इसलिए सब छत पर भाट मार रहे थे। अचानक से कहीं से अफ़्राह पड़ी कि मेरे कैमिस्ट्री में 0 आये हैं। बिना सोचे-समझे लोगों ने मुझे उड़ाया और GPL दे दी। छत पर लोग जो मुझे नहीं भी जानते थे उन्होंने भी अपने हाथ साफ कर लिए। ऊपर से कुछ लोग GPL के बाद मुझे जन्मदिन की बधाईयाँ देने लगे। एक और दिलाचर्या घटना यह है कि एक बार मैं अपने दोस्तों के साथ साइकल पर जा रहा था। मेरे दोस्तों को लगता है कि मैं कहीं पीछे छूट गया हूँ। पीछे देखने पर उन्हें मालूम पड़ता कै कि मैं एक सांड से टकराकर गिरा हुआ हूँ। यह देख मेरे दोस्त सङ्क पर ही लौटकर हँसने लागते हैं!

- प्रताप चिंह, नेहरू हॉल



तो 3rd year में Choreo में रवर्ण जीतने पर नेताजी के मंच पर चढ़के टेम्पो शाऊट देना, डिपार्टमेंट के वाइवा में प्रोफेसर महोदय के साथ हँसकर खुद अपनी हसी उड़ाना, 2.2 की सङ्क पर बैठकर दोस्तों के साथ कॉफी चीना, उन अनगिनत नाईट-आउट्स के बाद कॉमन रूम में ही सो जाना, अपने इंस्टी के लिए हर साल मेडल जीत कर लाना, यह सब मेरी Kgp की सुनहरी यादों का हसीन हिस्सा बनके रहेंगी।

- शीवाजी पाल, SN हॉल

सब कुछ शायद न याद रहे, पर कई पल ऐसे हैं जो हमेशा याद रहेंगे। सबसे खास बात। की यह है की हमें जितना खाली समय मिलता है। घूमना-फिरना सब अपनी जगह है पर जो बात खाली बैठे बकवास करने में है वो शायद कहीं नहीं। जो मन आये डॉउनलोड करो, शायद अंग्रेजों ने भी इन्हीं मूवीज़ नहीं देखी होगी। पिछले 5 सालों में कोशिश तो पूरी रही dc++ का कोर्स खत्म करने की पर अब भी काफी कुछ बाकी है। प्रोफेसर का भी काफी आभारी रहँगा जिन्होंने न चाहते हुए भी कई बार पास कर दिया :P। अभी सब 1 Tib की हाई-डिक्टिक खट्टी रहे हैं, पर उसमे सिर्फ़ डेटा ही आ पायेगा, यादों को पता नहीं कितने दिनों तक संजो पायेंगे। रही बात दोस्तों को मिस करने की, वो तो दूरीयाँ ही बता पायेंगी।

- सुमित जेसावाल, पटेल हॉल

एक बार कुछ डेपेंट्स के साथ नाइट आउट मारकर साइकिल ट्रिप पर निकले और लगभग 30 कि.मी. का चक्रकर लगाकर आए। वो दिन याद रहेंगे। आशा, प्रभजोत और बाकी बिंगीज़ की नींवें, सुरुपा का हयूमर, श्रीमोही का बिदाल एटीट्यूड, लल्ली के हाथ का खाना, पोर्टिंग की टांग चीचाना, दर्शी का लोड लेना, दीप्ती के साथ फन्डा सेशन्स, जागृति के लिए वो लम्हे मार्केट ट्रिप्स, डेपेंट्स के साथ नेस-कैफ़े की भाट, 2.2 मारते हुए दोस्तों को ज्ञान देना, PD का चिली पपीर (यानी...), SF/क्लिंज में एक खास दोस्त की GF ढूँढ़ने में मदद करना, ईलू लोम इतना हेक्टिक होने के बावजूद उसमें स्प्रिंग सेम से अच्छे अंक आना, होली पर सब हॉल-मेट्स के साथ घूमने जाना। और भी बहुत बारें हैं जो याद रहेंगी पर जिनको गिनना बहुत मुश्किल है।

- कानिका लिंग्हल, SN हॉल

मुझे याद हैं जब मैं पहली बार खड़गपुर रेस्टेशन पहुँचा था, उस वक्त गर्मी के कारण काफी बेचैनी महसूस हो रही थी। मन कर रहा था ठंडे पानी में झूब जाऊँ। Kgp में हमारे स्वागत के लिए टेंट बना हुआ था। वहाँ से हमें अपने निर्धारित हॉल का पता चला। इतनी गर्मी में किसी यह सब पढ़ा लिखी करने का मन करे। परंतु टेंट में घुसते ही सारी गर्मी ऐसे गायब हुई की



मैं बायां नहीं कर सकता, अत्यंत सुंदर नारी के दर्शन करके मेरे होश उड़ गए। पिताजी पीछे से कोहनी मार के इशारा कर रहे थे, पता पूछ ले, पर मैं तो उस अप्सरा को देखता ही रह गया। उसके घेरे में एक अजीबोगरीब खामोशी थी, जो मेरे मन को भागी, उसने मुझ पूरा लिस्ट दिखाया, मैंने एक बार नाम देखा। परन्तु उससे फिर से बात करने के चक्कर में फिर से लिस्ट माँगा। इस बार उसने और प्यार से लिस्ट बढ़ायी परन्तु पीछे लम्बी लाईन लगी हुई थी जिन्हें मेरा नखरा कुछ खास भाया नहीं, और वो मुझ पर चिल्लाने लगी कि आगे बढ़े हमें भी देखना है। बाद में पता चला कि वो बंदी instrumentation की थी और हमसे एक साल बढ़ी थी, तो हम जान गए की यहाँ तो दाल नहीं गलने वाली। परन्तु आज भी जब हम उनके बारे में सोचते हैं, बीते लम्बे हमें याद आते हैं, वो लगते हैं।

-विवेक बेहरा, LLR हॉल

कभी नहीं भूलेंगे बैडी टीम की कभी ना खदम होने वाली ट्रीट। साथ में ट्रिप पर जाना, autumn सेम में हृदा प्रैक्टिस करना और spring सेम में

उतना ही मर्खाना।
-अरुणिमा, SN हॉल

Kgp के चार वर्ष मेरे लिए सदा अविच्छिन्नीय रहेंगे। SF की लम्बी लाईन को छोड़कर SBI के पीछे से कूदकर अन्दर जाना, दोस्तों के साथ अलग-अलग स्थान (छोटी, टिकाका, एच.जे.बी. केन्यन आदि)

पर नॉन-स्टॉप भाट मारना, ईलू के नाइट-आउट्स, सबसे प्रिय दोस्त DC++ का साथ, हॉल-डे की मर्स्टी एवं आवाज में व्यतीत किए गए तीन वर्ष भले ही बीते हुए कल की बारे रह जाएंगी परन्तु इसकी यादें दिलो-दिमाग पर सदा विराजमान रहेंगी।

-पंकज सोनी, RK हॉल

एक दिन जिन्दगी ऐसे नुकाम पे पहुँच जायेगी,
यारी-दोस्ती सिर्फ 2.2 तक रह जायेगी।
हर कप चाय याद तिक्का की दिलायेगी,
और हँसते-हँसते फिर आँखे नम हो जायेगी।

OP, SOP वाली खलबली से हर नजा कँप-कँपाती थी, Derege की धमकीर्यों की आदत हो जाती थी। जन्मदिन के तोहफे में सबसे पहले GPL आती थी, पैला नहीं रहता था पर नजाने TREATs कैसे हो जाती थी, डायरी के पन्नों में ऐसी अनेक बारें जुकती जायेगी।

ब्रेक-फार्स्ट के पहले नाइट-आउट्स की भाट याद आयेगी, आफिस के चैबर में भी लैब नजर आयेगी। पर चाहने पे भी Proxy नहीं लग पायेगी, जी ले खुलके इस पल को मेरे दोस्त, वर्षांकि जिन्दगी ऐसे लम्हों को फिर से नहीं दोहरायेगी।

संकलितः मंजीत बाकिलाल, 3rd year, रसायन
अभियांत्रिकी विभाग।

॥॥ मैं पाँच साल कैसे गुजारे!! 1st yr में हैलू टाइप्स् क्लास में पहुँचना, फिर क्लास न जाना एक साल

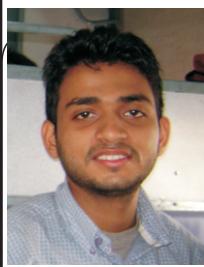
तक, wing वालों के साथ मर्स्टी। 2nd yr में OP और पटेल हॉल की Ent इवेंट्स में डेलास् की बौछार, 3rd yr में वो C.g फाइट, ट्रेनिंग के लिए फाइट, 4th yr में TTG को खड़ा करना और वहाँ मर्स्टी, 5th yr में WTMS और Ent इवेंट्स। पाँच साल यूँ गुजर गये जैसे सुबह की गरम चाय और फिर रात में वही गरम चाय। Eggies की वो रकालर्स एवं न्यु की सड़क, वो रूफ-टॉप , वो ट्रीट-ट्रीट करती जनता, वही ज्ञान घोष में Acoustic Guitar के साथ नाइट-आउट्स, वही Ice creams के मांग, हर दिन पढ़ना लिखना तो GG डिपार्टमेंट में हमाने तो छोड़ दिया था। जो कुछ सीखा वो यही है की मैं किसी भी बन्दे को ये साक्षित कर दूँ की सूरज पश्चिम से उगता है। ये यादें कभी नहीं छूटेंगी, अब आगे प्यार-दोस्ती Gtalk पर सीमित रह जायेगी, proxy बदलने का मन हो पर direct connection होगा, पैसे रहेंगे पर ट्रीट की वजह न होगी। मैं सबसे बस यही कहना चाहूँगा की इन लम्हों को खुलके जी ले, क्यूँकि जिन्दगी इन लम्हों को फिर से नहीं दोहरायेगी। अलविदा ॥॥

-पार्थ रेड्डी, पटेल हॉल

जनवरी की सर्दी में चोज रात तीन बजे cheddies में bread-butter और Aunties से Ice-cream खाना... क्षितिज के वक्त बिना खाये पिए या सोये रात दिन एक करना... और अंत में हवा भी नहीं लगता की बाकी का फेर्स्त कैसा गया। Studape में क्षितिज के अगले दिन क्लास जाना और क्लास में सोते-सोते गिर जाना... अच्छे सच्चे और गहरे दोस्त बनाना जो हर पल हर मुश्किल में साथ निभाए... चार साल में ऐसी हजारों यादें जुगाड़ा जो जिन्दगी भर भूल न पाए... YO KGP -कर्णिमा कपाड़ी, SN हॉल

मैंने अपने सबसे अच्छे दोस्त खड़गपुर में बनाये हैं। यहाँ से निकलने के बाद उनके साथ रहना बहुत मिस करूँगा। इन्टर हाल क्रिकेट में कप्तान के तौर पर अपनी टीम को कांस्य पदक दिलाना KGP के सबसे यादगार लम्हों में से एक है। क्रिकेट, टीटी, वाटरपॉलो और कॉर्टियो में अपने हॉल का प्रतिनिधित्व करना एवं kshitiij के कोर-टीम का सदस्य होना निश्चित रूप से एक अविच्छिन्नीय अनुभव था।

-चैतन्या ताम्रे, RK हॉल



वैसे तो Kgp से यादों का समंदर लेकर जा रहा हूँ लैकिन जो विशेष रूप से याद रहेंगी वो है Dep फेर्यरवेल में जूनियर्स को हम लोगों के लिए सेंटो होते देखना, दोस्तों को उनके खुद के GPL के लिए रिक्वेस्ट करते (और रोते हुए भी) देखना। Kgp के हर कोने में फोटो शोशन करना, एक विशेष मुद्दे के लिए सभी छात्रों का एकजुट होना।

कैम्पस में मिलने वाली आजादी को मिस करूँगा, बिना पर्सनल के भी पूरा सेमेस्टर निकाल लेना;)। स्टूडेंट होने का अनुभव सबसे ज्यादा तब मिस करूँगा जब ट्रेन में सफर करते वक्त अगर टी.टी. पकड़ ले और ये भी नहीं कह सकेंगे- “क्या दादा हम स्टूडेंट लोग हैं”।

-अविनाश पती, नेहरू हॉल

चार साल जैसे पलक झपकते ही गुजर गए। Kgp की पहली याद - Counselling के दौरान बस से कैम्पस में पहुँचे थे और main building के सामने से गुजरते हुए मैंने “Indian Institute of Technology” देखा था। अनोखे गर्व का छहसाल था। आज चार साल बाद यहाँ से निकलते हुए भी उसी गर्व का छहसाल है।



चार साल पश्चात आज जाने के कगार पर खड़े सब कुछ याद आता है - GolC पर घंटों भाट मारना, टीट के mega-shows और star-nights में बेतुक नाचना, नेताजी और कालीदास के स्टेज पर performances और जीतने पर टेम्पो-शाऊदल्स (सबसे ज्यादा 2008 में SN के कोरियो रूर्ण जीतने पर स्टेज पर टेम्पो-शाऊदल) शांकरपुर, दीघा और कलकत्ता ट्रिप (नाईट-आउट के बाद सूर्योदय देखना), I-lab और TRS lab की मीटिंग्स, Robotix, KJT और SF(perpz) के arenas, सबसे महत्वपूर्ण रमन, भट्टनागर और विक्रमशिला की क्लासेस.... सब याद आएँगी। यादगार लम्हों में पिछले साल की Gymkhana Awards ceremony...Fine Arts कप जीता था SN ने। और personally first year की insti-top की एक ट्रिप - 45 लोग थे, भाट मारते मारते अचानक डर लगा तो हमलोग cash-section की तरफ से निकलने ही वाले थे की खिड़की से एक गार्ड हमारे चाहरे पर टॉर्च मारते हुए बोलता है ‘बाहर निकलो’। हमारी तो जान ही निकल गयी थी। :D पर सब संभल गया। :)

-दीपिखा, SN हॉल

आईआईटी खड़गपुर में बिताए हुए चार वर्ष मेरी जिन्दगी का सबसे यादगार और मध्यय रहा है। मैं आप लोगों के साथ अपने कुछ अनुभव बांटना चाहता हूँ। यहाँ का सबसे बड़ा त्रोहा मेरे लिए यहाँ के दोस्त है। हम लोगों ने हर मुसीबत का सामना हमेशा मिलके किया है। फर्स्ट इयर में हमारी हॉल MMM हॉल की मेस नहीं होने की वजह से सब लड़कों को केवल दो चोटी ही दी जाती थी। हम सबने मिलकर इस प्रक्रिया का विरोध किया और अगले ही दिन वो व्यावर्त्ता बदल दी गयी। हमरे पास टेबल और चेयर भी नहीं थी, हमने फिरसे प्रदर्शन किया और अगले ही दिन हमें वो प्राप्त हो गए। बाकी हमारे एकजुट होने का नतीजा अभी हाल के दिनों में मिला जब 1 छात्र की मृत्यु पर सबने मिलकर आवाज उठाई। मेरे डिपार्टमेंट के सभी छात्रों ने मेरा बहुत साथ दिया। नाईट-आउट मारके परीक्षा देने जाना मेरे लिए एक नया अनुभव था। खड़गपुर में ही आकर सीखा था। मैंने अपने बाकी के 3 वर्ष LLR हॉल में बिताये और मैंने बहुत दोस्त बनाए थे। मेरा सबसे अच्छा अनुभव वाटर-पोलो के आखिरी मैच में अपने हॉल को जीत दिलाना था। हम लोग पेनल्टी शूट आउट में जीते थे और आखिरी गोल मैंने किया था।

-नितिन नागरी, LLR हॉल

गोपाली वार्षिक समारोह -

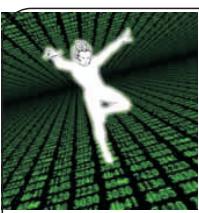
'गोपाली यूथ वेलफेर सोसायटी' द्वारा चलाए जाने वाले 'जागृति विद्यामंदिर' रक्खून ने अपना पहला वार्षिक समारोह 4 अप्रैल, 2009 का मनाया। पश्चिम मिदनापुर के जिला मेजिस्ट्रेट इस समारोह के मुख्य अधिष्ठित थे। उनके साथ निदेशक महोदय, प्रो. एन. आर. मंडल और श्रीमती सुपर्णा मंडल ने समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। समारोह की शुरूआत में GYWS के स्वयं सेवकों ने GYWS के द्वारा प्राप्त उपलब्धियों का वर्णन किया। इसके बाद मुख्य अधिष्ठित ने



प्रेरणापद भाषण दिया तथा निदेशक महोदय ने भी GYWS की भूती-भूती प्रशंसा की। इसके बाद मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

टेक्नोलॉजी समिट -

'एडवांस ली. एल. एस. आई. (AVLSI) कन्सार्टीयम, आइ.आइ.टी. खड़गपुर' द्वारा दो दिवसीय 'टेक्नोलॉजी समिट' का आयोजन 'इंडिया सैमीकण्डकर्ट ऐसोसिएशन' के साथ मिलकर 8-9 अप्रैल को कालिदास प्रेक्षागृह में किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से सैमीकण्डकर्ट, ई. डी. ए. (EDA), प्लॉटफॉर्म आधारित उत्पादन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने, शोधकर्ता और तथा आई. आई. टी. खड़गपुर के विभिन्न विभागों के संकाय ने हिस्सा लिया।

**ऐथिकल हैकिंग कार्यशाला -**

इस कार्यशाला का आयोजन 'कार्हियोन टेक्नोलॉजीज (दिल्ली में आधारित एक कंपनी)' तथा जिमखाना द्वारा कराया गया। इसका आयोजन 7 अप्रैल को नेताजी प्रेक्षागृह में हुआ। इस कार्यशाला में 'ऐथिकल हैकिंग' तथा 'इंफार्मेशन सेक्यूरिटी' के विषय में जानकारी दी गई। 4 घंटे तक चली इस कार्यशाला में कठीब 50-60 छात्रों ने हिस्सा लिया।

**दर्द-रहित सुई का अविष्कार -**

एक मच्छर के काटने की प्रक्रिया की नकल करती हुई एक ऐसी सुई का आई। आई. टी. खड़गपुर ने



टोकरो विश्वविद्यालय की मदद से अविष्कार किया है जो पूर्णतः दर्द-रहित है। रोचक बात तो यह है कि इस सुई का व्यास मात्र 30 माइक्रो-मीटर है! इस शोध टीम के प्रमुख श्री सुमन चक्रवर्ती बताते हैं कि- "यह सुई खासकर उन मैलिटरी मधुमेह के रोगियों के लिए लाभदायक है जिनके लिए नियमित रक्त जाँच अति आवश्यक होती है। ऐसे रोगियों को प्रतिदिन अपनी गलूकोज की मात्रा की जाँच करनी होती है। अत्यधिक सुई का प्रयोग करने से बहुत से शारीरिक कष्ट होते हैं जिसमें 'इंसरशन पेन' सबसे कष्टदायी होता है। एक मादा मच्छर रक्त को अपने मुख की कुछ विशेष मांस-पश्चियों की हटकत से चूलती है। यह नई सुई इस प्रक्रिया की नकल करती है। यहाँ पर चूसने की क्रिया को अंजाम एक मेस्स आधारित पम्प देता है।"

कैम्पस से एयर एम्बुलेन्स सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास

आई.आई.टी. प्रशासन ने गंभीर रोगियों को एयर एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलाइकुंडा एयरबेस और जिला पदाधिकारी से संपर्क किया है। कार्यकारी निदेशक प्रो. चक्रवर्ती ने कलाइकुंडा के कमांडर से मुलाकात की जिन्होंने इस संबंध में संभावनायें तलाशने का आशवाशन दिया है। अगर एयर एम्बुलेन्स की सुविधा संभव हो पाई तो गंभीर रोगियों को यहाँ से कोलकाता सिर्फ तीस मिनट में पहुँचाया जा सकेगा जहाँ एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर देसकोर्स में उतरते हैं। IIT को हर बार 1 लाख रुपये का खर्च वहन पर करना पड़ेगा।



BILLOO'S

YOUR FAVOURITE NEIGHBOURHOOD RESTAURANT

Technology का टून कोना

जिमखाना चुनाव में 25-30% वोट को खारिज किया गया। और लोग हमें इस देश का भविष्य मानते हैं!!!

